भारत सरकार

सूक्ष्म, लघु एवं मद्यम उद्यम मंत्रालय

जिला औद्योगिक संभावना सर्वेक्षण रिपोर्ट

जिला-मेवात (नूह)

आकांक्षा जिला

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम
MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES

एमएसएमई - विकास संस्थान ,
भारत सरकार, एमएसएमई मंत्रालय
11ए, औद्योगिक विकास कालोनी, आईटीआई के पास,
कुंजपुरा रोड, करनाल-132001(हरियाणा)
फोन: 0184- 2208100, फैक्स: 0184-2208113
ईमेल: dcdi-karnal@dcmsme.gov.in
वेबसाइट: www.msmedikarnal.gov.in

01.09.2021 को संशोधित

प्रस्तावना

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र को पूरे विश्व में विकास के इंजन के रूप में मान्यता दी गई है। भारत में इस क्षेत्र का प्रमुख लाभ कम पूंजी लागत पर इसकी रोजगार क्षमता है। एमएसएमई क्षेत्र में श्रम रोजगार बड़े उद्यमों की तुलना में बहुत अधिक है। अधिकांश देशों में एमएसएमई कुल उद्यम का 90% से अधिक का गठन करता है, जिसमें रोजगार वृद्धि की उच्चतम दर और औद्योगिक उत्पादन और निर्यात का एक बड़ा हिस्सा है। भारत में, एमएसएमई अर्थव्यवस्था के समग्र विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अपनी चपलता और गतिशीलता के साथ, इस क्षेत्र ने हाल की आर्थिक मंदी में जीवित रहने के लिए सराहनीय नवीनता और अनुकूलन क्षमता दिखाई है।

जिला मेवात हरियाणा राज्य में नीति आयोग द्वारा आकांक्षी जिले के रूप में घोषित एकमात्र जिला है, जो विभिन्न मापदंडों पर जिले के समग्र विकास को गति देता है। न्यू हरियाणा उद्यम एवं रोजगार नीति, 2020 जिले में अनुकूल औद्योगिक वातावरण बनाने में भी सहायक होगी। आशा है कि उद्यमी इस दस्तावेज को राज्य में एमएसएमई के प्रचार-प्रसार और विकास में लगी विभिन्न एजेंसियों के लिए अत्यधिक उपयोगी जानकारी साबित करने के अलावा, निवेश निर्णय लेने के लिए उपयोगी पाएंगे।

मैं श्री रवि प्रकाश, सहायक निदेशक (सांख्यिकी) एवं उनकी टीम द्वारा इस दस्तावेज को तैयार करने में किए गए प्रयासों की सराहना करता हूं। मैं इस दस्तावेज़ को संकलित करने के लिए जानकारी और डेटा प्रदान करने के लिए विभिन्न सरकारी विभागों, औद्योगिक संघों और अन्य एजेंसियों का भी आभारी हूं। कुछ जानकारियां संबंधित विभागों की वेबसाइट से भी मिली हैं।

(प्रदीप ओझा)
संयुक्त निदेशक (प्रभारी)

स्थान : करनाल
दिनांक: 30 जून 2021

विषयसूची

क्र.सं.	विषय	पृष्ठ सं.
1.	कार्यकारी सारांश	4
	अध्ययन का उद्देश्य	4
	कार्यप्रणाली और उपकरण	4
2.	जिला मेवात (नूंह) का परिचय	5
3.	जिला एक नजर में	6
	भूगोल	6
	जनसांख्यिकी	6
	अर्थव्यवस्था	7
	जलवायु	7
	पहुँचने के लिए कैसे करें	8
	जिले का नक्शा	8-9
	प्रशासनिक सेटअप	10-11
	रुचि के स्थान	12-13
4.	संसाधनों का विश्लेषण	14-16
5.	औद्योगिक विकास के लिए उपलब्ध बुनियादी ढांचा	17-19
6.	वर्तमान औद्योगिक परिदृश्य	20-23
7.	नए/औद्योगिक विकास की संभावनाएं	24
8.	योजनाएं और हस्तक्षेप	25-29
9.	आत्मनिर्भर भारत के पांच स्तंभों के तहत आत्मनिर्भर भारत आंदोलन	30-31
10.	जिला औद्योगिक विकास योजना	32-34
11.	किससे संपर्क करना है और किसके लिए	35-396
12.	निष्कर्ष और आगे का रास्ता	37
13.	संसाधन	38-39
14.	सूचना/डेटा के संदर्भ और स्रोत	40

1. कार्यकारी सारांश

जिला मेवात का गठन हरियाणा सरकार के राजस्व विभाग की अधिसूचना संख्या SO30/PA17/1887/S.5/2005 दिनांक 4.4.2005 द्वारा किया गया था, जिसका मुख्यालय नूंह में था। मेवात (नूंह) के रूप में जाना जाने वाला एक नया जिला अस्तित्व में आया जिसमें 5 ब्लॉक शामिल थे। यह क्षेत्र 1507 वर्ग किमी में फैला हुआ है। 443 गांवों और 5 छोटे शहरों में 10.89 लाख लोग रहते हैं। यह क्षेत्र हरियाणा के सबसे पिछड़े क्षेत्रों में से एक है।

2011 की जनगणना के अनुसार, नूह जिले की जनसंख्या 1,089,406 थी, जो लगभग साइप्रस देश या रोड आइलैंड के अमेरिकी राज्य के बराबर थी। 2001-2011 के दशक में इसकी जनसंख्या वृद्धि दर 37.94% थी। जिले में मुख्य व्यवसाय कृषि और कृषि आधारित गतिविधियों है। मेव प्रमुख जनसंख्या समूह हैं और सभी कृषक हैं।

यह जिला औद्योगिक संभावना सर्वेक्षण (डीआईपीएस) रिपोर्ट जिला मेवात में एमएसएमई के लिए वर्तमान के साथ-साथ भविष्य की संभावनाओं की जांच करती है। जिले में एमएसएमई की समग्र संभावना प्राप्त करने के लिए , इस रिपोर्ट ने राज्य सरकार और केंद्रीय सरकार सहित विभिन्न स्रोतों से डेटा का उपयोग किया। ।

<u>अध्ययन का उद्देश्य</u>

इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य मेवात जिले में एमएसएमई की स्थिति की जांच करना है। अध्ययन के दो विशिष्ट उद्देश्य हैं:

1. हरियाणा के मेवात जिले में एमएसएमई की वर्तमान स्थिति का विश्लेषण करना
2. मेवात जिले में एमएसएमई के लिए भविष्य की संभावना का विश्लेषण करना और जिले में एमएसएमई के विकास के लिए उपयुक्त रणनीति सुझाना।

कार्यप्रणाली और उपकरण

अध्ययन मुख्य रूप से द्वितीयक डेटा स्रोतों पर आधारित है। जिला स्तर के डेटा का विश्लेषण द्वितीयक डेटा स्रोतों का उपयोग करके किया गया है, जिसमें जिला प्रशासन, नूंह, जिला उद्योग केंद्र, नूंह, जिला एमएसएमई केंद्र, नूंह, हरियाणा का सांख्यिकीय सार, जनगणना 2011, बैंकिंग सांख्यिकी, माध्यमिक/ मध्य/ प्राथमिक निदेशालय शिक्षा, हरियाणा, महानिदेशक, पशुपालन और डेयरी, हरियाणा, भूमि अभिलेख महानिदेशक, हरियाणा आदि शामिल हैं।

2. जिला मेवात (नूंह) का परिचय

जिला मेवात का गठन हरियाणा सरकार के राजस्व विभाग की अधिसूचना संख्या SO30/PA17/1887/S.5/2005 दिनांक 4.4.2005 द्वारा किया गया था, जिसका मुख्यालय नूंह में था। मेवात 'मेवों की भूमि' में हरियाणा राज्य के पुराने जिला गुड़गांव में 5 ब्लॉक यानी नूंह, तोरू, नगीना, पुन्हाना और फिरोजपुर झिरका शामिल हैं। मेवात (नूंह) के रूप में जाना जाने वाला एक नया जिला अस्तित्व में आया जिसमें उपरोक्त 5 ब्लॉक शामिल थे। यह क्षेत्र 1507 वर्ग किमी में फैला हुआ है। 443 गांवों और 5 छोटे शहरों में 10.89 लाख लोग रहते हैं। यह क्षेत्र हरियाणा के सबसे पिछड़े क्षेत्रों में से एक है। वर्ष 1980 में, हरियाणा सरकार ने समाज के पिछड़े और वंचित वर्गों को सामाजिक और आर्थिक न्याय देने की प्रतिबद्धता के साथ मेवात विकास बोर्ड (एमडीबी) का गठन किया, जिसकी अध्यक्षता हरियाणा के मुख्यमंत्री, मंत्रियों और महत्वपूर्ण विभागों के सचिवों ने की। वित्त , सिंचाई और बिजली, उद्योग, कृषि, पशुपालन, सहकारिता और विकास और मेवात क्षेत्र के सभी सांसद और विधायक , इसके अलावा गुड़गांव और फरीदाबाद के डीसी और आधिकारिक और गैर-सरकारी सदस्यों के रूप में क्षेत्र के कुछ अन्य प्रतिष्ठित व्यक्ति भी . मेवात विकास एजेंसी (एमडीबी की कार्यकारी एजेंसी) ने मेवात क्षेत्र में स्वास्थ्य , शिक्षा, कृषि, सिंचाई, पशुपालन, ग्रामीण जल आपूर्ति सामुदायिक विकास , आवास, औद्योगिक विकास आदि के क्षेत्र में विभिन्न विकासात्मक गतिविधियों को लागू किया। इस जिले में 4 उप मंडल शामिल हैं। , 5 तहसील, एक उपतहसील और 5 ब्लॉक। गुड़गांव और फरीदाबाद के सीएस और आधिकारिक और गैर -सरकारी सदस्यों के रूप में क्षेत्र के कुछ अन्य प्रतिष्ठित व्यक्ति भी। मेवात विकास एजेंसी (एमडीबी की कार्यकारी एजेंसी) ने मेवात क्षेत्र में स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, सिंचाई, पशुपालन, ग्रामीण जल आपूर्ति सामुदायिक विकास , आवास, औद्योगिक विकास आदि के क्षेत्र में विभिन्न विकासात्मक गतिविधियों को लागू किया। इस जिले में 4 उप मंडल शामिल हैं। , 5 तहसील, एक उपतहसील और 5 ब्लॉक। गुड़गांव और फरीदाबाद के सीएस और आधिकारिक और गैर-सरकारी सदस्यों के रूप में क्षेत्र के कुछ अन्य प्रतिष्ठित व्यक्ति भी। मेवात विकास एजेंसी (एमडीबी की कार्यकारी एजेंसी) ने मेवात क्षेत्र में स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, सिंचाई, पशुपालन, ग्रामीण जल आपूर्ति सामुदायिक विकास, आवास, औद्योगिक विकास आदि के क्षेत्र में विभिन्न विकासात्मक गतिविधियों को लागू किया। इस जिले में 4 उप मंडल, 5 तहसील, एक उपतहसील और 5 ब्लॉक शामिल हैं।

3. जिला एक नजर में

नूंह जिला भारतीय राज्य हरियाणा के 22 जिलों में से एक है। इसका क्षेत्रफल 1,507 वर्ग किलोमीटर (582 वर्ग मील) और 10.9 मिलियन आबादी है। यह उत्तर में गुड़गांव जिले , पश्चिम में रेवाड़ी जिले और पूर्व में फरीदाबाद और पलवल जिलों से घिरा है। यह मुख्य रूप से मेवों द्वारा बसा हुआ है , जो कृषिविद और मुसलमान हैं।

भूगोल

मेवात क्षेत्र भौगोलिक रूप से अक्षांश 27°54'05" उत्तर और देशांतर 77°10'50" पूर्व पर समन्वय करता है, एक पहाड़ी क्षेत्र है , जिसमें प्राचीन मत्स्य -देश और सुरसेना या हरियाणा के आधुनिक दक्षिणी भाग और उत्तर-पूर्वी राजस्थान के हिस्से शामिल हैं। मेवात ऐतिहासिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण क्षेत्र है जो दिल्ली के दक्षिण में स्थित है, इसका नाम इसके निवासियों, मेवों से लिया गया है। प्राचीन काल में , इसकी सीमाओं का मोटे तौर पर वर्णन किया गया था , जो भरतपुर में डीग , राजस्थान में अलवर और धौलपुर , हरियाणा में रेवाड़ी, पलवल और गुड़गांव से अनियमित रूप से चल रही थी और उत्तर प्रदेश में मथुरा के जिलों के कुछ हिस्सों में भी शामिल थी। मेवात में अरावली पर्वत की कई पर्वत श्रृंखलाएँ हैं। यह कई शताब्दियों के लिए अपने निवासियों के हिंसक चरित्र के लिए प्रसिद्ध था , जिन्होंने हमेशा दिल्ली में तुर्क , पठान, मुगल और ब्रिटिश शासकों को बड़ी परेशानी दी थी। मुगल काल में , मेवात दिल्ली और आगरा के सूबा का एक हिस्सा था। इसके सबसे प्रसिद्ध शहर नारनौल , कोटिला, इंदौर, अलवर, तिजारा और रेवाड़ी थे। मेवात क्षेत्र आधुनिक समय में आम तौर पर प्राचीन और मध्यकालीन एक की तुलना में एक बहुत छोटा हिस्सा शामिल है, गुड़गांव जिले में सोहना के उत्तर से शुरू होता है , दक्षिण में भरतपुर और अलवर जिलों में डीग और कामा, पूर्व में तिजारा और तपोकरा, पश्चिम में नूंह जिले में पुन्हाना और पलवल जिले में होडल। आसपास के जलोढ़ मैदान के ऊपर मेवात (नूंह) क्षेत्र की औसत ऊंचाई 500 फीट है। पठार के शिखर में एक बंजर विस्तार होता है जो मोटे बलुआ पत्थर के द्रव्यमान से ढका होता है , लगभग पूरी तरह से हरियाली से रहित होता है। पूरी श्रृंखला को एक अलग पहाड़ी प्रणाली के बजाय ऊंचे राजपुताना रेगिस्तान और जमुना की निचली घाटी के बीच की सीमा के रूप में माना जा सकता है।

जनसांख्यिकी

2011 की जनगणना के अनुसार , नूह जिले की जनसंख्या 1,089,406 थी, जो लगभग साइप्रस देश या रोड आइलैंड के अमेरिकी राज्य के बराबर थी। यह इसे भारत में (कुल 640 में से) 420वीं रैंकिंग देता है। जिले का जनसंख्या घनत्व 729 निवासी प्रति वर्ग किलोमीटर (1507/वर्ग किमी) था। 2001-2011 के दशक में इसकी जनसंख्या वृद्धि दर 37.94% थी, इसमें प्रति 1000 पुरुषों पर 906 महिलाओं का लिंगानुपात है, और साक्षरता दर 56.1% है। भारत की जनगणना 2001 के अनुसार, जिले की कुल जनसंख्या 993,617 (पलवल जिले के हथीन ब्लॉक सहित) थी, जिसमें से 46,122 (4.64%) शहरी क्षेत्रों में रहते थे और आबादी का प्रमुख हिस्सा 947,495 (95.36%) ग्रामीण इलाकों में रहते थे। क्षेत्रों। 993,617 की कुल जनसंख्या में से 524,872

पुरुष और 468,745 महिलाएं हैं। अनुसूचित जाति की आबादी लगभग 78,802 है। परिवारों की कुल संख्या 142,822 है, जिनमें से 135,253 (95%) ग्रामीण क्षेत्रों में हैं और शेष 7,569 (5%) शहरी क्षेत्रों में हैं। हथीन ब्लॉक सहित बीपीएल परिवारों की कुल संख्या 53,125 है।

शीर्षक	विवरण
जनसंख्या	10,89,406
जनसंख्या (पुरुष)	5,71,480 (52.45%)
जनसंख्या (महिला)	5,17,926 (47.54%)
मुस्लिम आबादी	8,62,647 (79%)
लिंग अनुपात	प्रति 1000 पुरुषों पर 912 महिलाएं

स्रोत: जिला प्रशासन वेबसाइट (www.nuh.gov.in)

अर्थव्यवस्था

जिले में मुख्य व्यवसाय संबद्ध और कृषि आधारित गतिविधियों के साथ कृषि है। मेव प्रमुख जनसंख्या समूह हैं और सभी कृषक हैं। छोटी जेबों को छोड़कर जहां नहर सिंचाई उपलब्ध है , कृषि ज्यादातर बारिश पर निर्भर है। राज्य के अन्य जिलों की तुलना में प्रति हेक्टेयर फसल उपज के रूप में मापा गया कृषि उत्पादन कम है। पशुपालन, विशेष रूप से डेयरी, लोगों के लिए आय का द्वितीयक स्रोत है और जो लोग अरावली की पहाड़ी श्रृंखलाओं के करीब रहते हैं वे भेड़ और बकरियां भी पालते हैं। दूध की पैदावार इतनी कम नहीं है , हालांकि, भारी ऋणग्रस्तता के कारण , अधिकांश किसान सामान्य से कम कीमत पर उधारदाताओं को दूध बेचने के लिए मजबूर होते हैं , जिससे दूध से उनकी आय में भारी कमी आती है। पुन्हाना , पिनांगवान, फिरोजपुर झिरका जैसे शहर , ताओरू और नूंह खुदरा दुकानों के प्रमुख केंद्र हैं और क्षेत्र में दैनिक जीवन की रीढ़ के रूप में कार्य करते हैं। जिले में रोज का -मेव औद्योगिक एस्टेट में स्थित एक एमएमटीसी - पीएएमपी कारखाना भी है।

जलवायु

जिला उपोष्णकटिबंधीय, अर्ध-शुष्क जलवायु क्षेत्र के अंतर्गत आता है, जहां गर्मियों में अत्यधिक गर्म तापमान होता है। मानसून के मौसम को छोड़कर नूंह जिले में हवा का सूखापन एक मानक विशेषता है। मई और जून साल के सबसे गर्म महीने होते हैं , जिनका तापमान 30C से 48C के बीच रहता है। दूसरी ओर , जनवरी सबसे ठंडा महीना होता है, जिसमें तापमान 2 डिग्री सेल्सियस से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है। ग्रीष्म ऋतु में तेज धूल भरी हवाएं चलती हैं।

- **वर्षा:**वार्षिक वर्षा वर्ष -दर-वर्ष काफी भिन्न होती है। मानसून के मौसम के दौरान अधिकतम वर्षा का अनुभव होता है , जो जुलाई के महीने में अपने चरम पर पहुंच जाता है। मुख्य वर्षा मानसून अवधि के दौरान जून से सितंबर तक होती है जब लगभग 80% वर्षा प्राप्त हो जाती है। जिले में औसत वर्षा 336 मिमी से 440 मिमी तक होती है।

- **नमी:**वर्ष के बड़े हिस्से के दौरान आर्द्रता काफी कम है। नूंह जिला केवल मानसून अवधि के दौरान उच्च आर्द्रता का अनुभव करता है। न्यूनतम आर्द्रता (20% से कम) की अवधि अप्रैल और मई के बीच है।

- **हवा:**मानसून के दौरान आसमान में घने बादल छाए रहते हैं और इस दौरान तेज हवाएं चलती हैं। मानसून के बाद और सर्दियों के महीनों के दौरान हवाएँ आमतौर पर हल्की होती हैं।

- **क्षेत्र विशिष्ट मौसम घटनाएं :**नूह जिले में गरज और धूल भरी आंधियों की एक उच्च घटना का अनुभव होता है, जो अक्सर अप्रैल से जून की अवधि के दौरान हिंसक तूफान (अंधर) के साथ होता है। कभी गरज के साथ तेज बारिश तो कभी ओलावृष्टि होती है। सर्दियों के महीनों में कभी -कभी जिले में कोहरा दिखाई देता है।

पहुँचने के लिए कैसे करें

हवाईजहाज से:

इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, नई दिल्ली, और हवाई अड्डे से नूंह की दूरी 63 KM है।

रेलवे द्वारा:

नूंह में कोई रेल संपर्क नहीं है , हालांकि, पलवल रेलवे स्टेशन करीब 37 किमी, गुड़गांव रेलवे स्टेशन करीब 51 किमी और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन करीब 80 किलोमीटर दूर है।

बस से:

जिला मुख्यालय नूंह सड़क मार्ग से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। नूंह चंडीगढ़ (हरियाणा की राजधानी) से सड़क मार्ग से लगभग 343 KM और ISBT, नई दिल्ली से 77 KM दूर है।

जिले का नक्शा

NUH क्षेत्र भौगोलिक रूप से अक्षांश 27°54'05" उत्तर और देशांतर 77°10'50" पूर्व पर समन्वय करता है, एक पहाड़ी क्षेत्र है , जिसमें प्राचीन मत्स्य -देश और सुरसेना या हरियाणा के आधुनिक दक्षिणी भाग और उत्तर-पूर्वी राजस्थान के हिस्से शामिल हैं। मेवात ऐतिहासिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण क्षेत्र है जो दिल्ली के दक्षिण में स्थित है, इसका नाम इसके निवासियों, मेवों से लिया गया है। प्राचीन काल में , इसकी सीमाओं का मोटे तौर पर वर्णन किया गया था , भरतपुर में डीग से अनियमित रूप से चल रहा था , राजस्थान में अलवर और ढोलपुर, हरियाणा में रेवाड़ी, पलवल और गुड़गांव और उत्तर प्रदेश में मथुरा के जिलों के कुछ हिस्से भी शामिल हैं। मेवात में अरावली पर्वत की कई पर्वत श्रृंखलाएँ हैं। यह कई शताब्दियों के लिए अपने निवासियों के हिंसक चरित्र के लिए प्रसिद्ध था , जिन्होंने हमेशा दिल्ली में तुर्क , पठान, मुगल और ब्रिटिश शासकों को बड़ी परेशानी दी थी।

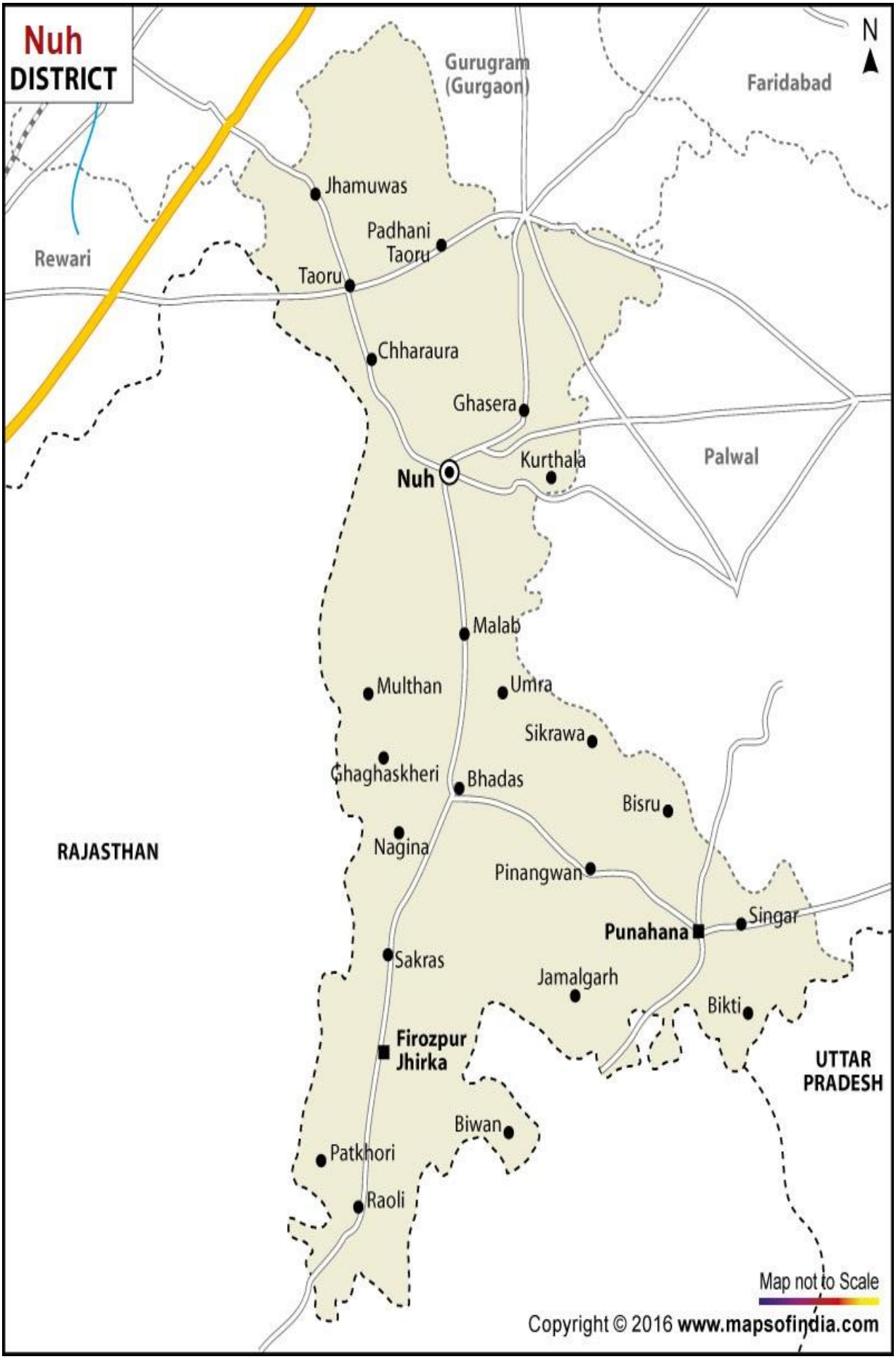
Nuh
DISTRICT
N
Gurugram
(Gurgaon)
Faridabad
Rewari
Jhamuwas
Padhani
Taoru
Taoru
Chharaura
Ghasera
Kurthala
Palwal
Nuh
Malab
Multhan
Umra
Sikrawa
Ghaghaskheri
Bhadas
Bisru
Nagina
RAJASTHAN
Pinangwan
Singar
Punahana
Sakras
Jamalgarh
Bikti
Firozpur
Jhirka
UTTAR
PRADESH
Biwan
Patkhori
Raoli
Map not to Scale
Copyright © 2016 www.mapsofindia.com

प्रशासनिक सेटअप

उपायुक्त

जिले का सामान्य प्रशासन उपायुक्त के पास निहित है , जो प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए , संभागीय आयुक्त, फरीदाबाद के अधीन है। वह एक साथ उपायुक्त , जिला मजिस्ट्रेट और कलेक्टर हैं। उपायुक्त के रूप में , वह विकास, पंचायतों, स्थानीय निकायों, नागरिक प्रशासन आदि से संबंधित विविध जिम्मेदारियों के साथ जिले का कार्यकारी प्रमुख होता है। जिला मजिस्ट्रेट के रूप में , वह कानून और व्यवस्था के लिए जिम्मेदार होता है और पुलिस और अभियोजन एजेंसी का प्रमुख होता है। कलेक्टर के रूप में, वह राजस्व प्रशासन का मुख्य अधिकारी होता है और भू -राजस्व के संग्रह के लिए जिम्मेदार होता है , और जिले में सर्वोच्च राजस्व न्यायिक प्राधिकरण भी होता है। वह पंजीकरण कार्य के लिए जिला चुनाव अधिकारी और रजिस्ट्रार के रूप में कार्य करता है। वह अपने जिले में अन्य सरकारी एजेंसियों पर समग्र पर्यवेक्षण करता है। वह , संक्षेप में, जिला प्रशासन का प्रमुख , विभिन्न विभागों के बीच एक समन्वयक अधिकारी और जनता और सरकार के बीच एक कड़ी है जहाँ तक वह नीतियों को क्रियान्वित करता है , समय-समय पर सरकार द्वारा बनाए गए नियमों और विनियमों को प्रशासित करता है। .

उपायुक्त के मुख्य कार्यों को मोटे तौर पर वर्गीकृत किया जा सकता है : उपायुक्त के रूप में विकास और लोक कल्याणकारी गतिविधियों का समन्वय , जिला कलेक्टर के रूप में जिले के राजस्व अधिकारी/न्यायालय, और जिला मजिस्ट्रेट के रूप में कानून और व्यवस्था कार्य। इस प्रकार , वह विभिन्न अवसरों पर उपायुक्त, जिला कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट के रूप में कार्य करता है। इनमें से प्रत्येक क्षमता में उनकी भूमिका का संक्षेप में वर्णन इस प्रकार है:

अपर उपायुक्त

अतिरिक्त उपायुक्त डीआरडीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं। अतिरिक्त उपायुक्त का पद उपायुक्त को उनके दैनिक कार्यों में सहायता के लिए सृजित किया गया है। अतिरिक्त उपायुक्त को नियमों के तहत उपायुक्त के समान अधिकार प्राप्त हैं।

एसडीएम एवं अनुमंडल पदाधिकारी

अनुमंडल अधिकारी (नागरिक) अनुमंडल का मुख्य सिविल अधिकारी होता है। वास्तव में , वह अपने अनुमंडल के एक लघु उपायुक्त हैं। उसके पास उप -विभाग में कार्य का समन्वय करने के लिए पर्याप्त शक्तियाँ हैं। वह तहसीलदारों और उनके कर्मचारियों पर सीधा नियंत्रण रखता है। वह नियमित मामलों पर सरकार और अन्य विभागों से सीधे संपर्क करने के लिए सक्षम है। उपायुक्त की तरह उनके मुख्य कर्तव्यों में राजस्व, कार्यकारी और न्यायिक कार्य शामिल हैं। राजस्व मामलों में , वह सहायक कलेक्टर प्रथम श्रेणी का है, लेकिन कुछ अधिनियमों के तहत कलेक्टर की शक्तियाँ उसे सौंपी गई हैं। अनुविभागीय अधिकारी के अधिकार क्षेत्र में राजस्व , मजिस्ट्रेटी, कार्यकारी और विकास मामलों से संबंधित शक्तियां और जिम्मेदारियां उपायुक्त के समान हैं।

तहसीलदार/नायब तहसीलदार

तहसीलदार और नायब तहसीलदार , राजस्व प्रशासन में प्रमुख अधिकारी हैं और सहायक कलेक्टर द्वितीय श्रेणी की शक्तियों का प्रयोग करते हैं। विभाजन के मामलों का निर्णय करते समय ; तहसीलदार सहायक कलेक्टर प्रथम श्रेणी की शक्तियों को ग्रहण करता है। उनका मुख्य कार्य राजस्व संग्रह करना है , तहसीलदार और नायब तहसीलदार को अपने क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर दौरा करना पड़ता है। राजस्व रिकॉर्ड और फसल के आंकड़े भी उनके द्वारा बनाए रखे जाते हैं। तहसीलदार और नायब -तहसीलदार भूमि राजस्व और सरकार को देय अन्य देय राशि के संग्रह के लिए जिम्मेदार हैं।

क्र.सं	तहसील का नाम	पता	गांव की संख्या	ब्लॉक की संख्या	ब्लॉक का नाम
1	नूह	ग्राउंड फ्लोर मिनी सचिवालय नूंह पिन 122107	119	1	नूह
2	फिरोजपुर झिरका	भूतल मिनी सचिवालय फिरोजपुर झिरका पिन-122104	60	1	फिरोजपुर झिरका
3	पुन्हाना	हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पुन्हाना पिन-122508	114	2	पुन्हाना, पिनांगवान
4	तौरू	तहसील परिसर, तौरू, 122105	82	1	तौरू
5	नगीना	हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी नगीना पिन-122108	68	1	नगीना
		कुल	**443**	**6**	—

स्रोत: जिला प्रशासन वेबसाइट (www.nuh.gov.in)

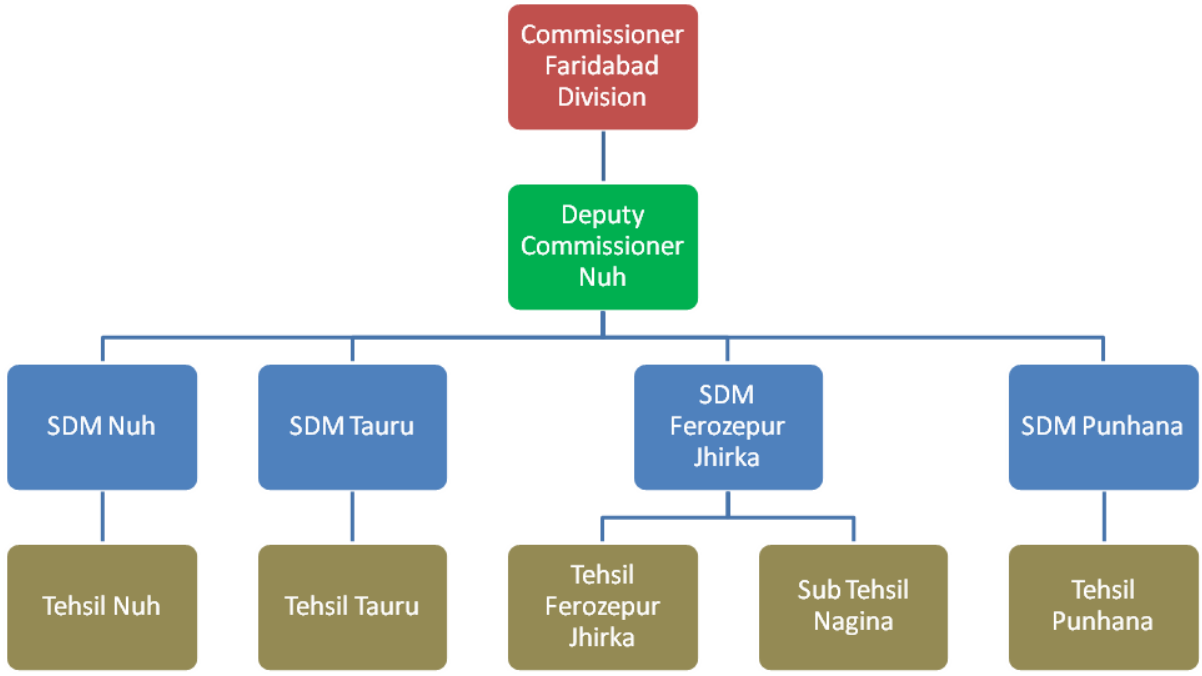

रुचि के स्थान

नलहर शिव मंदिर

नलहर अरावली की तलहटी में स्थित है और इसके आधार पर एक शिव मंदिर भी है जो जलाशय के लिए ट्रेक का शुरुआती बिंदु है। मंदिर में एक बड़ा औपचारिक द्वार है। इस स्थान पर चढ़ने के लिए 250 से अधिक खड़ी सीढ़ियाँ हैं और अंतिम बिट थोड़ा फिसलन भरा है और चढ़ने के लिए पेड़ की जड़ों और शाखाओं को पकड़ना पड़ता है। यदि आप कुछ अच्छे व्यायाम की तलाश में हैं तो यह एक अच्छी चढ़ाई है और एक बार जब आप शीर्ष पर पहुँच जाते हैं तो यह पूरे क्षेत्र का दृश्य प्रदान करता है।
एक जलाशय है जहाँ चट्टान से पेड़ में बने एक खोखले (प्राकृतिक) में पानी सीधे टपक रहा था। यह जलाशय लगभग 2 फुट लंबा और शायद एक फुट चौड़ा ही है। इस खोखले में साल भर पानी बहता रहता है और यह जलाशय है जिसे स्थानीय लोग श्रद्धा से बोलते हैं क्योंकि स्थानीय लोगों का मानना है कि यह देवताओं का कोई 'चमत्कार' (चमत्कार) है कि इसमें चट्टानों से पानी बह रहा है शुष्क क्षेत्र। यह भी माना जाता है कि पांडव अपने 14 साल के वनवास के दौरान वहीं रुके थे और इस पानी को पिया था। बहुत सारे स्थानीय लोग शिव मंदिर तक यात्रा करते हैं लेकिन केवल अधिक दृढ़ और फिट लोग ही जलाशय तक चढ़ते हैं।

नूह में चुही मल का तालाब

चुई मल का तालाब हरियाणा के मेवात जिले के नूंह शहर में स्थित स्मारकों वाला एक चिनाई वाला तालाब है। इसके बगल में एक भव्य दो मंजिला संरचना है , सेठ चुई माल की छतरी। चुई मल द्वारा तालाब और समाधि (स्मारक) दोनों एक ही समय के आसपास बनाए गए हैं। बेशक संरचना में मकबरा उनके बेटे द्वारा उनकी मृत्यु के बाद रखा गया था। तालाब के चारों ओर आठ कब्रें हैं और यह मनोरम दिखता है।

फिरोजपुर झिरका

ऐतिहासिक शहर फिरोजपुर झिरका , नूंह जिले की एक तहसील , गुड़गांव से अलवर तक मुख्य सड़क पर, गुड़गांव से लगभग 82 किमी दक्षिण और दिल्ली से 150 किमी दक्षिण में स्थित है। यह भौगोलिक रूप से अक्षांश 27.79394 उत्तर और देशांतर 76.940659 पूर्व पर समन्वय करता है। फिरोजपुर झिरका पिन कोड 122104 है और डाक प्रधान कार्यालय फिरोजपुर झिरका है। सिधरावत (2 KM), कामेदा (4 KM), सुलेला (5 KM), हसनपुर बिलौंदा (5 KM), महोली (5 KM) फिरोजपुर झिरका के पास के गाँव हैं। फिरोजपुर झिरका उत्तर की ओर नगीना तहसील , पश्चिम की ओर किशनगढ़ बास तहसील , पूर्व की ओर पुनहाना तहसील, दक्षिण की ओर रामगढ़ तहसील से घिरा हुआ है। अलवर , नगर, होडल, बावल फिरोजपुर झिरका के नजदीकी शहर हैं। यह स्थान नूंह जिले और भरतपुर जिले की सीमा में है। भरतपुर जिला नगर पहाड़ी इस जगह की ओर दक्षिण है। यह राजस्थान राज्य सीमा के निकट है।

जामा मस्जिद, फिरोजपुर झिरका

कोटला, नूह

कोटला एक गाँव है जो 28.0137 अक्षांश अक्षांश और 76.937668 पूर्व देशांतर का समन्वय करता है और नूह के जिला मुख्यालय नूंह से लगभग 7 किलोमीटर दक्षिण में स्थित है। यह एक ऐतिहासिक गांव है और कभी मेवाती यदुवंशी शासक बहादुर नाहर खान के दौरान नूंह की राजधानी हुआ करता था। यह गांव अरावली की तलहटी में स्थित होने और प्राकृतिक दृश्य के लिए भी महत्वपूर्ण है। ऐतिहासिक रूप से , कोटिला मेवात की पहली राजधानी थी , जिस पर उसके अपने लोगों का शासन था , जिन्हें लोकप्रिय रूप से खानजादास के नाम से जाना जाता था। गाँव कोटिला एक छोटी घाटी में स्थित है , जो पूरी तरह से पहाड़ी से घिरा हुआ है, सिवाय इसके कि एक छोटी सुरंग जैसा दर्रा इसमें प्रवेश करता है। इस दर्रे के सामने कोटिला झील है, और जब यह पानी से भर जाता है, तो दर्रे का एकमात्र रास्ता झील और पहाड़ी के बीच की भूमि की एक संकरी पट्टी के साथ होता है।

कोटिला किला (भीतरी दृश्य)

स्रोत: जिला प्रशासन वेबसाइट (www.nuh.gov.in)

4. संसाधनों का विश्लेषण

जिला मुख्यालय नूंह में स्थित है। जिले में नूंह, तौरू, नगीना, फिरोजपुर झिरका और पुन्हाना नाम के पांच ब्लॉक शामिल हैं।

स्रोत: जिला प्रशासन वेबसाइट (www.nuh.gov.in)

क्र.सं	विशेष	साल	यूनिट	आंकड़े
1.	**भौगोलिक विशेषताओं**			
(ए)	भौगोलिक डेटा			
	I) अक्षांश			27°54'05" उत्तर
	ii) देशांतर			77°10'50" पूर्व
	iii) भौगोलिक क्षेत्र		वर्ग. किमी.	1507
(बी)	प्रशासनिक इकाइयां			
	i) सब डिवीजन		नग	4
	ii) तहसीलें		नग	4
	iii) उप-तहसील		नग	1
	vi) नगरपालिका समिति		नग	4
	vii) ब्लॉक		नग	6
	xi) राजस्व गांव		नग	443
	x) विधानसभा क्षेत्र		नग	5
2.	**जनसंख्या**			
	कुल जनसंख्या	2011	नग	10,89,406
(ए)	लिंग के अनुसार			
	i)पुरुष	2011	नग	5,71,480 (52.45%)
	ii) महिला	2011	नग	5,17,926 (47.54%)
(बी)	मुस्लिम आबादी	2011	नग	8,62,647 (79%)

3.	**कृषि**			
ए	भूमि उपयोग			
	i) कुल क्षेत्रफल	2017-18	हेक्टेयर	147650
	ii) कृषि उपयोग भूमि/कृषि योग्य	2017-18	-करना-	138040
	iii) गैर कृषि भूमि	2017-18	-करना-	9610
बी	औसत कमाई			
	i) गेहूं	2019-20	किग्रा/हेक्टेयर	4603
	ii) चना	2019-20	किग्रा/हेक्टेयर	1699
	iii) जौ	2019-20	किग्रा/हेक्टेयर	4214
	iv) तिलहन	2019-20	किग्रा/हेक्टेयर	2351
	v) चावल	2019-20	किग्रा/हेक्टेयर	2508
	vi) बाजरे	2019-20	किग्रा/हेक्टेयर	2765
	vii) कपास	2019-20	किग्रा/हेक्टेयर	593
	viii) गन्ना	2019-20	किग्रा/हेक्टेयर	80274
4.	**पशुधन और कुक्कुट (20वीं पशुधन गणना के अनुसार)**			
ए	पशु			
	i) पशु	2019	संख्या	30088
	ii) भैंस	2019	संख्या	174867
	iii) बकरी	2019	संख्या	26948
	iv) भेड़	2019	संख्या	5522
	v) सुअर	2019	संख्या	761
	vi) अन्य	2019	संख्या	2752
बी	कुल पोल्ट्री	2019	संख्या	17585
5.	**सड़कें**			
	(ए) राष्ट्रीय राजमार्ग	2019-20	किलोमीटर	89

	(बी) राज्य राजमार्ग	2019-20	किलोमीटर	14
	(सी) मुख्य जिला सड़कें	2019-20	किलोमीटर	89
	(डी) अन्य जिला और ग्रामीण सड़कें	2019-20	किलोमीटर	779
6.	**बैंकिंग वाणिज्यिक (31.03.2021 तक)**			
	(ए) ग्रामीण शाखा	2021	संख्या	37
	(बी) अर्ध-शहरी शाखा	2021	संख्या	41
	(सी) शहरी शाखा	2021	संख्या	0
7.	**शिक्षा**			
	(प्राथमिक स्कूल	2019-20	संख्या	480
	(बी) मध्य विद्यालय	2019-20	संख्या	255
	(सी) माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय	2019-20	संख्या	115
	(डी) सरकारी आईटीआई	2019-20	संख्या	9
	(ई) निजी आईटीआई	2019-20	संख्या	1
	(एफ) पॉलिटेक्निक कॉलेज	2019-20	संख्या	6
	(जी) इंजीनियरिंग कॉलेज	2019-20	संख्या	2
	(ज) डिग्री कॉलेज	2019-20	संख्या	8

5. औद्योगिक विकास के लिए उपलब्ध बुनियादी ढांचा

मेवात क्षेत्र के विकास के लिए बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए सरकार ने कई पहल की हैं। उनमें से कुछ इस प्रकार हैं:

1. मेवात विकास बोर्ड

सरकार। हरियाणा सरकार ने समाज के पिछड़े और वंचित वर्गों को सामाजिक और आर्थिक न्याय देने की प्रतिबद्धता के साथ , 1980 में माननीय मुख्यमंत्री , हरियाणा की अध्यक्षता में मंत्रियों के साथ मेवात विकास बोर्ड , हरियाणा (एमडीबी) का गठन किया। वित्त , राजस्व, कृषि, उद्योग, विकास एवं पंचायत , सहकारिता, सिंचाई, पशुपालन एवं विद्युत, मेवात क्षेत्र के समस्त सांसद , विधायक, मुख्य सचिव, महत्वपूर्ण विभागों के सचिव एवं क्षेत्र के गणमान्य व्यक्ति शासकीय एवं अशासकीय सदस्य। मेवात क्षेत्र की गरीबी , बेरोजगारी, आर्थिक और सामाजिक पिछड़ेपन की स्थिति को सुधारने के एकमात्र उद्देश्य के साथ क्षेत्र स्तर पर इसकी कार्यकारी एजेंसी, मेवात विकास एजेंसी (एमडीए) का भी गठन किया गया था। मेवात क्षेत्र में छह ब्लॉक यानी नूंह, तोरू, एफपी शामिल हैं

मेवात विकास बोर्ड का उद्देश्य इस क्षेत्र की गरीबी , बेरोजगारी, आर्थिक और सामाजिक पिछड़ेपन की स्थिति में सुधार करना और इस क्षेत्र के लोगों के जीवन स्तर को ऊपर उठाना है। मेवात विकास एजेंसी का उद्देश्य विशेष रूप से इस क्षेत्र को लाभान्वित करने के लिए बनाई गई विकासात्मक योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए मेवात क्षेत्र में विकास की गति को तेज करना है।

मेवात विकास एजेंसी राज्य सरकार की विभिन्न विकास योजनाओं के कार्यान्वयन की देखरेख करती है। और केंद्र सरकार ने विशेष रूप से इस क्षेत्र के विकास के लिए डिज़ाइन किया है।एमडीए द्वारा निगरानी की जाने वाली कुछ योजनाएं इस प्रकार हैं:

1. राष्ट्रीय अल्पसंख्यक विकास और वित्त निगम (एनएमडीएफसी), नई दिल्ली की ऋण योजनाएं
2. अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय , सरकार के तहत जिला नूंह के प्रधान मंत्री जन विकास कार्यक्रम (पीएमजेवीके)। ऑफ इंडिया, नई दिल्ली
3. कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत परियोजनाएं
4. अन्य राज्य वित्तपोषित योजनाएँ

इन सभी योजनाओं का विवरण मेवात विकास अभिकरण की वेबसाइट पर निम्नानुसार देखा जा सकता है: **www.mda.nic.in**

2. मेवात इंजीनियरिंग कॉलेज

हरियाणा के शीर्ष इंजीनियरिंग कॉलेजों में से एक मेवात इंजीनियरिंग कॉलेज यहां छात्रों का मार्गदर्शन करने और उन्हें आगे बढ़ने में मदद करने के लिए है। कॉलेज की इमारत अरावली पर्वतमाला की सुंदर पृष्ठभूमि में लगभग 28 एकड़ के विशाल परिसर में स्थित है और नूंह -पटौदी रोड पर गुड़गांव से लगभग 48 किमी और नई दिल्ली से 80 किमी दूर है।

शीर्ष पर एक पुराने किले के खंडहर और 600 साल पुरानी एक ऐतिहासिक दरगाह और तलहटी में एक मस्जिद के साथ अरावली का मनोरम दृश्य अपनी राजसी उपस्थिति के साथ आगंतुक का स्वागत करता है। कॉलेज में आधुनिक उपकरणों , विशाल कक्षाओं , केंद्रीय कार्यशाला , कंप्यूटर केंद्र , भाषा प्रयोगशाला और ट्यूटोरियल कक्षों के साथ पूरी तरह से सुसज्जित प्रयोगशालाएँ हैं। कॉलेज में ओपेक मॉड्यूल पर काम करने वाले लैबवेयर सॉफ्टवेयर के साथ एक कम्प्यूटरीकृत सेंट्रल लाइब्रेरी है और इसमें 18000 से अधिक वॉल्यूम हैं और छात्रों को बुक बैंक सुविधाएं प्रदान करता है।

3. परिधान प्रशिक्षण और डिजाइन केंद्र

एटीडीसी 2010 में कपड़ा मंत्रालय , भारत सरकार की एकीकृत कौशल विकास योजना (आईएसडीएस) को लागू करने के लिए घटक -1 के तहत एक नोडल एजेंसी होने के नाते व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी स्थिति के साथ सबसे बड़े व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदाता के रूप में उभरा है , जहां एटीडीसी ने महत्वाकांक्षी लक्ष्य हासिल किया है। स्मार्ट परियोजना के तहत पांच वर्षों में 1,72,220 उम्मीदवारों को प्रशिक्षण दिया गया है और मार्च 2015 तक पूरे भारत में 176 एटीडीसी केंद्रों के माध्यम से 1,52,138 उम्मीदवारों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया गया है। एटीडीसी मेवात का पता परिधान प्रशिक्षण और डिजाइन केंद्र , सामुदायिक केंद्र एमडीए , खेरडला, दिल्ली-अलवर है। रोड (पेट्रोल के पास), मेवात।

4. इंडस्ट्रियल एस्टेट-रोज का मेव

औद्योगिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए और जिले में उद्योगों के विकास के उद्देश्य से हरियाणा सरकार ने 1981 में रोज़ का मेव औद्योगिक एस्टेट की स्थापना की। यह औद्योगिक एस्टेट राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 8 पर नई दिल्ली से लगभग 70 किलोमीटर दूर स्थित है।

औद्योगिक एस्टेट रोज़ का मेव की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं:

औद्योगिक क्षेत्र का नाम	रोज़ का मेव
स्थापना वर्ष	1981
औद्योगिक एस्टेट का कुल क्षेत्रफल (एकड़ में)*	8.42
कुल संख्या खुदी हुई भूखंडों की*	20
आवंटित प्लॉट*	19
गैर-आवंटित भूखंड*	1
स्पष्ट उपलब्ध भूखंडों का क्षेत्रफल (एकड़)*	0.25
वर्ष 2020-21 हेतु औद्योगिक भूखण्ड /शेड की आवंटन दर (दर रूपया प्रति वर्ग मीटर)	9900

*15.09.2020 तक स्रोत: एचएसआईआईडीसी (https://hsiidc.org.in/node/132)

6. वर्तमान औद्योगिक परिदृश्य

उद्योग एक नजर में :

क्रमांक	सिर	यूनिट	विवरण
1.	पंजीकृत औद्योगिक इकाई	संख्या	3022
2.	कुल औद्योगिक इकाई	संख्या	3022
3.	पंजीकृत मध्यम और बड़ी इकाई	संख्या	8
4.	अनुमानित औसत लघु उद्योगों में नियोजित दैनिक श्रमिकों की संख्या	संख्या	-
5.	बड़े और मध्यम उद्योगों में रोजगार	संख्या	-
6.	औद्योगिक क्षेत्र की संख्या	संख्या	1
7.	सूक्ष्म और लघु उद्योगों का टर्नओवर (लाख में)	लाख में	-
8.	मध्यम और बड़े पैमाने के उद्योगों का टर्नओवर (लाख में)	लाख में	-

स्रोतः जिला एमएसएमई केंद्र, मेवात

1. पंजीकृत इकाइयों की वर्षवार प्रवृत्ति:

क्र.सं.	**साल**	**पंजीकृत इकाइयों की संख्या**	**रोज़गार (नहीं में)**	**निवेश (लाख रु.)**
1.	31.03.2016 **तक**	103	2090	6864.05
2.	2016-17	124	1307	3509
3.	2017-18	131	721	1404
4.	2018-19	511	2784	6192
5.	2019-20	954	3806	10391

स्रोतः जिला एमएसएमई केंद्र, मेवात

2. दिनांक 30.06.2020 तक यूएएम के तहत जिले में पंजीकृत एमएसएमई की संख्या:

सूक्ष्म इकाइयां	लघु इकाइयां	मध्यम इकाइयां	कुल एमएसएमई
1751	437	13	2201

स्रोत: यूएएम पोर्टल

3. दिनांक 08.06.2021 को उद्यम पंजीकरण के तहत जिले में पंजीकृत एमएसएमई की संख्या:

सूक्ष्म इकाइयां	लघु इकाइयां	मध्यम इकाइयां	कुल एमएसएमई
1142	49	8	1199

स्रोत: उद्यम पंजीकरण पोर्टल

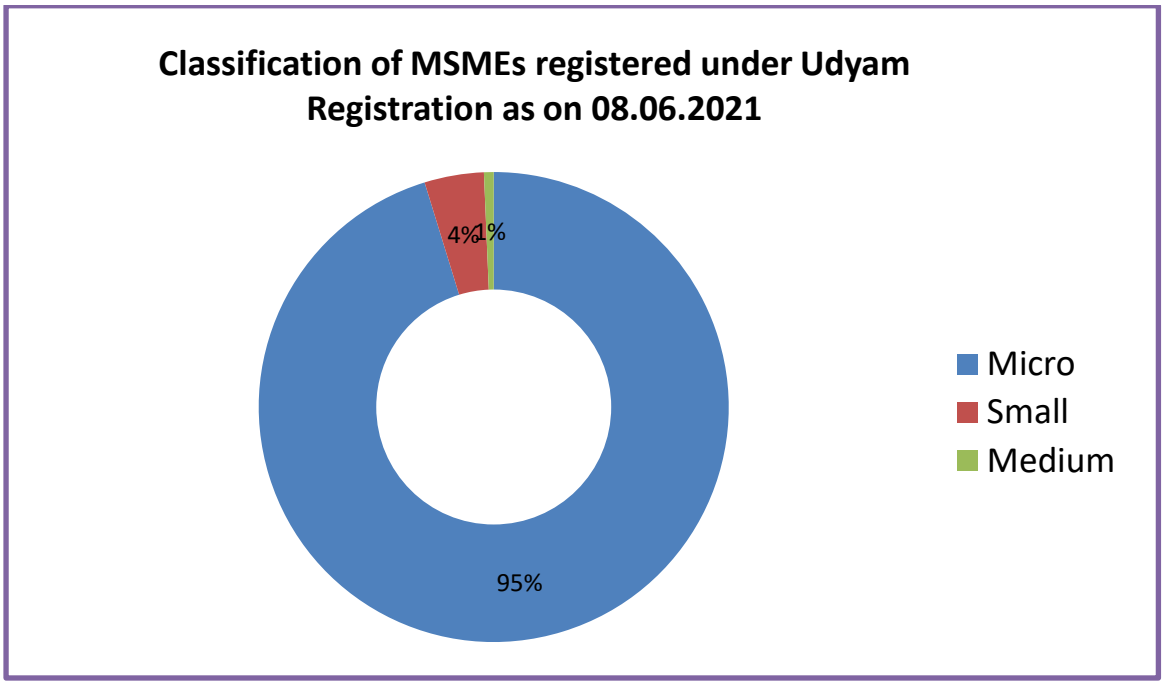

4. दिनांक 08.06.2021 को उद्यम पंजीकरण के तहत जिले में पंजीकृत एमएसएमई की संख्या:

उद्यम रजि. (विनिर्माण)	उद्यम रजि. (सेवाएं)	कुल एमएसएमई
228	971	1199

स्रोत: उद्यम पंजीकरण पोर्टल

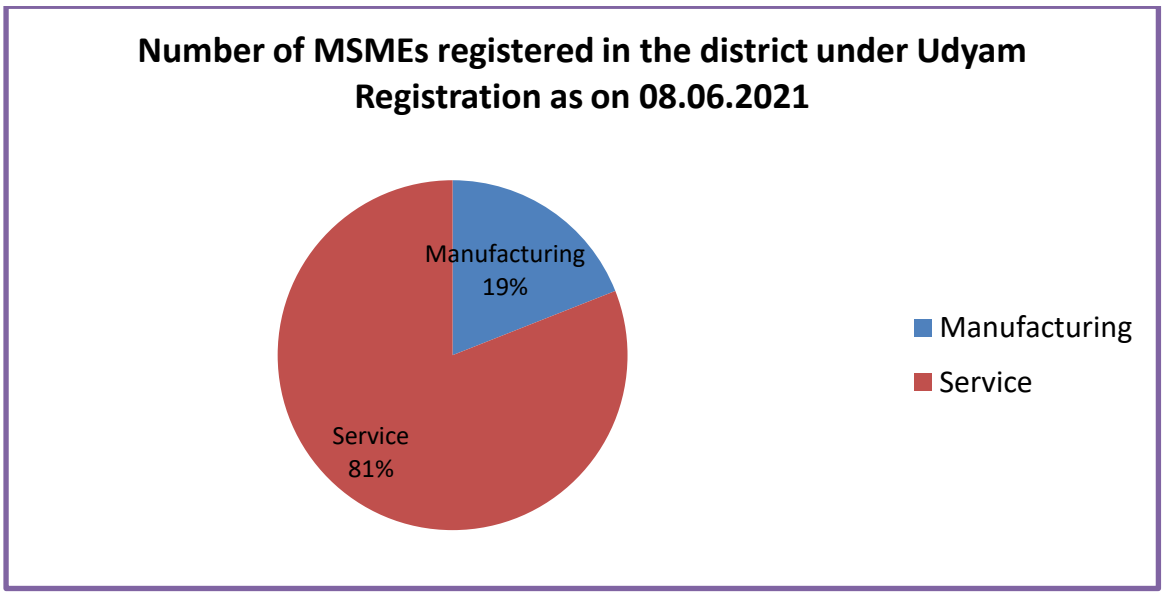

5. जिले का खादी और ग्रामोद्योग परिदृश्य:

क्र.सं	सिर	यूनिट	विवरण
1.	पंजीकृत खादी और ग्रामोद्योग	नहीं।	370
2.	खादी और ग्रामोद्योग में रोजगार	नहीं।	1504
3.	खादी और ग्रामोद्योग का कारोबार	लाख में	1063.00

स्रोतः हरियाणा खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, जिला कार्यालय-मेवात

6. पंजीकृत खादी और ग्रामोद्योग की वर्षवार प्रवृत्ति:

क्र.सं.	साल	पंजीकृत इकाइयों की संख्या	रोज़गार (नहीं में)	निवेश (लाख रु.)
1.	31.03.2016 **तक**	359	1421	988.05
2.	2016-17	4	27	25.00
3.	2017-18	1	9	5.00
4.	2018-19	2	14	8.80
5.	2019-20	2	16	24.15
6.	2020-21	2	17	12.00

स्रोतः हरियाणा खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, जिला कार्यालय-मेवात

7. 31.03.2021 तक जिले में विद्यमान खादी एवं ग्रामोद्योग का विवरण:

उद्योग/क्षेत्र का प्रकार	इकाइयों की संख्या	निवेश (लाख रु.)	रोज़गार
खनिज आधारित उद्योग	97	463.00	453
वन आधारित उद्योग	24	36.00	83
कृषि आधारित और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग	58	138.00	322
पॉलिमर और रसायन आधारित उद्योग	63	105.00	156
हस्तनिर्मित कागज और फाइबर उद्योग	1 1	103.00	129
ग्रामीण इंजीनियरिंग	89	140.00	255
जैव-प्रौद्योगिकी	01	18.00	05
सेवा उद्योग	27	60.00	101

स्रोतः हरियाणा खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, जिला कार्यालय-मेवात

8. प्रमुख निर्यात योग्य वस्तु

ऑटो भाग

9. प्रमुख निर्यात के देश

स्पेन, संयुक्त अरब अमीरात, दुबई, श्रीलंका, नेपाल, स्विट्जरलैंड

स्रोतः जिला एमएसएमई केंद्र, मेवात

10.सेवा उद्यम

मेवात जिले के रोज का मेव औद्योगिक क्षेत्र में कुछ इकाइयां कपड़ों की रंगाई , इलेक्ट्रोप्लेटिंग, लकड़ी के फर्नीचर, ग्लास डिजाइनिंग, कोटिंग जॉब वर्क में लगी हुई हैं।

सेवा उद्योग के लिए संभावित क्षेत्र : 1. फैब्रिक डाइंग, 2. इलेक्ट्रोप्लेटिंग, 3. लकड़ी के फर्नीचर , 4. ग्लास डिजाइनिंग, 5. कोटिंग जॉब वर्क।

11.सूक्ष्म और लघु उद्यम के मौजूदा समूह

हालांकि जिले में कोई चिन्हित क्लस्टर नहीं है, हालांकि ऑटो पार्ट्स सेक्टर से अच्छी संख्या में संगठित इकाइयां हैं।

प्रमुख समूहों का विवरण:

विनिर्माण क्षेत्र: शून्य

सेवा क्षेत्र: शून्य

12.संभावित स्फूर्ति क्लस्टर का विवरण:

जिले में तीन संभावित स्फूर्ति क्लस्टर की संभावना है:

i. मुर्गी पालन
ii. चमड़ा क्राफ्टिंग
iii. टेराकोटा

13.वोकल फॉर लोकल- वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ODOP) अप्रोच

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (MoFPI) ने राज्यों के साथ साझेदारी में, मौजूदा माइक्रो के उन्नयन के लिए वित्तीय, तकनीकी और व्यावसायिक सहायता प्रदान करने के लिए अखिल भारतीय केंद्र प्रायोजित "पीएम औपचारिकता सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम योजना (PM FME योजना)" शुरू की है। खाद्य प्रसंस्करण उद्यम। यह योजना एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) के दृष्टिकोण को अपनाती है ताकि इनपुट की खरीद, सामान्य सेवाओं का लाभ उठाने और उत्पादों के विपणन के मामले में बड़े पैमाने पर लाभ उठाया जा सके।

टमाटर खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (MoFPI) की PM FME योजना के एक जिले एक उत्पाद दृष्टिकोण के तहत मेवात जिले के लिए अनुमोदित उत्पाद है।

7. नए एमएसएमई/औद्योगिक विकास की संभावनाएं

उत्कृष्ट (विनिर्माण और सेवा क्षेत्र दोनों में) ऑटो सहायक इकाइयों , प्लास्टिक, रसायन आधारित इकाइयों, इंजीनियरिंग इकाइयों, धातु आधारित (स्टील फैब्रिकेशन), परिधान उद्योग, बिल्डिंग स्टोन, फैब्रिक डाइंग, इलेक्ट्रोप्लेटिंग, जैसे नए एमएसएमई की अच्छी संभावना है। कृषि आधारित , सूती वस्त्र, सिलाई के धागे, लकड़ी पर आधारित फर्नीचर आदि।

जिला मेवात राज्य का सबसे दक्षिणी जिला है , जहां ग्रामीण आबादी की संख्या सबसे अधिक है और तुलनात्मक रूप से प्रति व्यक्ति आय कम है। निर्माण के पारंपरिक तरीके के कौशल वाली छोटी और छोटी इकाइयों के लिए बहुत गुंजाइश है। निम्नलिखित मुख्य क्षेत्र / क्षेत्र हैं जिन पर स्थानीय आबादी की आजीविका बढ़ाने और नई एमएसएमई इकाई की स्थापना के लिए जोर दिया जा सकता है:

i. बर्तन बनाना/टेरा-कोट्टा
ii. बुनाई
iii. मसाला बनाना
iv. छोटी तेल मिलें
v. मधुमक्खी पालन
vi. जूता बनाना
vii. वस्त्र बनाना
viii. दूध के उत्पाद
ix. मोमबत्ती बनाना
x. अचार बनाना

8. योजनाएं और हस्तक्षेप

i. एमएसएमई विकास अधिनियम, 2006

सूक्ष्मµ लघु और मध्यतम उद्यमों के प्रोत्साiहन और विकास को सुगम बनाने तथा प्रतिस्प र्धात्म कता बढ़ाने और इससे जुड़े मामलों के लिए सरकार ने एमएसएमई विकास अधिनियम , 2006 अधिनियमित किया है।

उद्यमों का वर्गीकरण:

भारत सरकार द्वारा जारी संशोधित अधिसूचना के अनुसार , एक उद्यम को निम्नलिखित मानदंडों के आधार पर सूक्ष्म, लघु या मध्यम उद्यम के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा:

उद्यमों का प्रकार	संयंत्र और मशीनरी या उपकरण में निवेश (रुपये में)	वार्षिक कारोबार (रुपये में)
सूक्ष्म उद्यम	एक करोड़ तक	पांच करोड़ तक
लघु उद्यम	दस करोड़ तक	पचास करोड़ तक
मध्यम उद्यम	पचास करोड़ तक	ढाई सौ करोड़ तक

ii. नए उद्यमियों के लिए योजनाएं

वित्त योजनाएँ:

- पीएमईजीपी
- विस्तारित पीएमईजीपी
- मुद्रा
- खड़े हो जाओ
- चालू होना
- सीजीटीएमएसई
- सीएलसीएसएस

अन्य योजनाएँ:

- पीएमएस, आई.सी
- सार्वजनिक खरीद नीति
- विलम्बित भुगतान
- ट्रेड्स

इन सभी योजनाओं का विवरण निम्नलिखित वेबसाइट पर देखा जा सकता है:

https://champions.gov.in/MSME_Ministry_entrepreneurs/PMEGP_bank_loan_finance/old_current_Schemes.htm

iii. चैंपियन (उत्पादन और राष्ट्रीय शक्ति बढ़ाने के लिए आधुनिक प्रक्रियाओं का निर्माण और सामंजस्यपूर्ण अनुप्रयोग) वेब पोर्टल

भारत के माननीय प्रधान मंत्री ने 01-06-2020 को MSME शिकायतों के लिए चैंपियंस पोर्टल लॉन्च किया है। यह पोर्टल देश के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSME) की मदद करने और उन्हें बढ़ावा देने और उनकी विभिन्न प्रकार की शिकायतों का निवारण करने के लिए बनाया गया है। इस पोर्टल का वेब लिंक है:

https://champions.gov.in

इस वेब-पोर्टल पर किसी भी मुद्दे पर सुझाव/प्रश्न/शिकायत/मार्गदर्शन प्राप्त किया जा सकता है

iv. राज्य सरकार की योजनाएँ:

एमएसएमई निदेशालय, हरियाणा राज्य में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों और छोटे व्यवसायों के विकास और निरंतरता के लिए एक अधिक जीवंत और अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र बनाकर उनके प्रचार , विकास और सुविधा के लिए नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करता है। हरियाणा सरकार ने अपने हरियाणा उद्यम और रोजगार नीति 2020 में एमएसएमई क्षेत्र के लिए विभिन्न योजनाओं और प्रोत्साहनों को अधिसूचित किया। इन्हें निम्नलिखित वेबसाइट पर जाकर देखा जा सकता है:**https://msme.haryana.gov.in/**

v. आईटीआई/पॉलिटेक्निक/इंजीनियरिंग कॉलेजों में उपलब्ध सुविधाओं का विवरण:

जिले में स्थित आईटीआई / पॉलिटेक्निक / इंजीनियरिंग कॉलेज विभिन्न प्रकार के पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। इनका विवरण संस्थान की संबंधित वेबसाइट पर देखा जा सकता है। उदाहरण के लिए मेवात इंजीनियरिंग कॉलेज के बारे में विवरण निम्नलिखित वेबसाइट पर देखा जा सकता है:

https://www.mecw.ac.in/programmes-offered.html

सरकार की सूची। जिले में पॉलिटेक्निक:

क्र.सं.	संस्थान का नाम	स्थापना वर्ष	पाठ्यक्रमों की पेशकश की	सेवन क्षमता
1	गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक, इंद्री, नूंह	2017	सिविल, कंप्यूटर, मेक, इलेक्ट्रिकल, एमएलटी	300
2	सरकार। पॉलिटेक्निक मलाब, नूंह	2017	ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, सिविल इंजीनियरिंग। और कंप्यूटर इंजीनियरिंग	300

स्रोत: http://www.techeduhry.gov.in/

जिले में राजकीय आईटीआई की सूचि एवं संपर्क विवरण:

क्र.सं.	आईटीआई का नाम	संस्थान की ईमेल आईडी	संपर्क संख्या
1	राजकीय आईटीआई फिरोजपुर झिरका	fpjhirkha.giti@gmail.com, fpjhirkha.giti@hry.gov.in	01268-277262
2	राजकीय आईटीआई (महिला) फिरोजपुर जिरखा	fpjhirkha.gitiw@gmail.com	01268-277262
3	राजकीय आईटीआई नगीना	nagina.giti@gmail.com, nagina.giti@hry.gov.in	01268-276366
4	राजकीय आई टी आई उज्जीना	ujjina.giti@gmail.com, ujina.giti@hry.gov.in	01267-203111
5	राजकीय आई टी आई नूंह	nuh.giti@gmail.com, nuh.giti@hry.gov.in	01267-285900
6	राजकीय आईटीआई (महिला) नूंह	nuh.gitiw@gmail.com, nuh.gitiw@hry.gov.in	9312245213
7	राजकीय आई टी आई पुन्हाना	punhana.giti@gmail.com, punhana.giti@hry.gov.in	9416919179
8	राजकीय आई टी आई पिंगवाना	pingwna.giti@gmail.com	9992115304
9	राजकीय आईटीआई ताउरू	tauru.giti@hry.gov.in, tauru.giti@gmail.com	0124-2262453

स्रोत: https://www.itiharyana.gov.in

प्रौद्योगिकी विस्तार केंद्र/टीसी/टीएस:

टीसी टूलिंग और संबंधित क्षेत्रों में गुणवत्ता उपकरण , प्रशिक्षित कर्मियों और परामर्श सेवाएं प्रदान करने, फोर्जिंग और फाउंड्री, इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन और विनिर्माण (ईएसडीएम), इलेक्ट्रिकल जैसे विशिष्ट उत्पाद समूहों में प्रक्रियाओं और उत्पादों में प्रौद्योगिकियों के उन्नयन के माध्यम से उद्योग की सेवा कर रहे हैं। मापने के उपकरण , खुशबू और स्वाद , कांच, खेल के सामान , फोर्जिंग और फाउंड्री और फुटवियर डिजाइनिंग इन क्षेत्रों का समर्थन करने के लिए। जिला मेवात के आस -पास के क्षेत्रों में निम्नलिखित प्रौद्योगिकी विस्तार केंद्र, परीक्षण केंद्र और परीक्षण स्टेशन उपलब्ध हैं:

MSME प्रौद्योगिकी केंद्र भिवाड़ी (राजस्थान):

MSME प्रौद्योगिकी केंद्र भिवाड़ी टूलींग और संबंधित क्षेत्रों में अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता उपकरण , प्रशिक्षित कार्मिक और परामर्श प्रदान करके उद्योग के संबंधित क्षेत्रों के एक एकीकृत विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। इस प्रौद्योगिकी केंद्र में नवीनतम और उन्नत सीएनसी खराद , मिलिंग, ईडीएम और वायर कट मशीन सहित परिष्कृत मशीनों के विस्तृत स्पेक्ट्रम के साथ एक ही छत के नीचे अत्याधुनिक टूल रूम सुविधाएं हैं, जो एमएसएमई की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा कर सकती हैं।

एमएसएमई प्रौद्योगिकी केंद्र भिवाड़ी जिला मेवात से लगभग 30 किलोमीटर दूर है और आसपास के एमएसएमई इस टीसी का लाभ उठा रहे हैं। इस टीसी की वेबसाइट है:https://msmetcbhiwadi.org/index.php

MSME प्रौद्योगिकी केंद्र रोहतक:

एमएसएमई प्रौद्योगिकी केंद्र , रोहतक सीएडी /सीएएम, टूल डिजाइन एंड मैन्युफैक्चरिंग , टूल एंड डाई मेकिंग, सीएनसी प्रोग्रामिंग, मशीन मेंटेनेंस और इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन पर उद्योग उन्मुख दीर्घावधि और अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करने में अद्वितीय है। इसमें प्रशिक्षण और उत्पादन विभाग दोनों में ईडीएम, वायर कट, सीएनसी, वीएमसी, 3डी स्कैनर, सरफेस ग्राइंडिंग एआर /वीआर लैब जैसी नवीनतम मशीनों सहित अत्याधुनिक बुनियादी ढांचा है।

MSME प्रौद्योगिकी केंद्र रोहतक जिला मेवात से लगभग 100 किलोमीटर दूर स्थित है और कौशल विकास सेवाएं, उत्पादन सहायता सेवाएं और परामर्श और विपणन सेवाएं प्रदान कर रहा है। एमएसएमई प्रौद्योगिकी केंद्र रोहतक की वेबसाइट है:https://www.msmetcrohtak.org/

एमएसएमई परीक्षण केंद्र (एनआर), ओखला (नई दिल्ली):

MSME-परीक्षण केंद्र, नई दिल्ली [पूर्व में क्षेत्रीय परीक्षण केंद्र (NR)] भारत सरकार द्वारा उन्नीसवीं सत्तर के दशक की शुरुआत में स्थापित चार क्षेत्रीय परीक्षण केंद्रों में से एक है , जो शुरू में लघु उद्योगों की परीक्षण/अंशांकन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए था। उनके उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार के लिए।

वर्तमान में यह केंद्र इलेक्ट्रिकल , मैकेनिकल, केमिकल और मेटलर्जिकल के क्षेत्र में उत्तरी क्षेत्र में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की परीक्षण और अंशांकन आवश्यकताओं को पूरा करता है। चार प्रयोगशालाओं में से प्रत्येक अर्थात ; इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल, केमिकल और मेटलर्जिकल , राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय मानकों की आवश्यकताओं के अनुसार उच्च सटीकता सटीक उपकरणों और उपकरणों से पूरी तरह सुसज्जित हैं।

MSME परीक्षण केंद्र (NR), ओखला को भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) द्वारा तृतीय पक्ष प्रयोगशाला के रूप में मान्यता प्राप्त है। साथ ही चयनित क्षेत्रों में परीक्षण /अंशांकन सेवाओं को ISO/IEC17025:2005 की आवश्यकता के अनुसार परीक्षण और अंशांकन प्रयोगशालाओं के राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (NABL) से मान्यता प्राप्त है। एमएसएमई परीक्षण केंद्र (एनआर), ओखला (नई दिल्ली) की वेबसाइट है http://www.msme-tc-nr.gov.in/index.html

सेंट्रल टूल रूम एक्सटेंशन सेंटर, फरीदाबाद:

केंद्र सेंट्रल टूल रूम लुधियाना का विस्तार है। सीटीआर लुधियाना 1980 में भारत सरकार और जर्मनी सरकार के बीच तकनीकी सहयोग पर द्विपक्षीय समझौते के तहत स्थापित एक इंडो -जर्मन परियोजना है। यह सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण में काम कर रहा है। टूलिंग डेवलपमेंट , रैपिड प्रोटोटाइपिंग, हीट ट्रीटमेंट और ट्रेनिंग इस केंद्र के मुख्य सेवा क्षेत्र हैं। सीटीआर एक्सटेंशन सेंटर, फरीदाबाद की वेबसाइट हैhttps://www.ctrludhiana.org/

एमएसएमई-परीक्षण स्टेशन, जयपुर:

ओ/ओ डीसी (एमएसएमई) नई दिल्ली , सरकार। भारत सरकार ने एमएसएमई इकाइयों को परीक्षण सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से देश में विभिन्न स्थानों पर एमएसएमई , परीक्षण स्टेशन स्थापित किए हैं ताकि वे स्वीकार्य मानक विनिर्देशों के अनुरूप सामान बनाने में सक्षम हो सकें और विभिन्न सरकारी/निजी एजेंसियों को तीसरे पक्ष का आश्वासन भी प्रदान कर सकें और सहायता कर सकें। गुणवत्ता के उन्नयन के क्षेत्र में एमएसएमई।

एमएसएमई-टीएस जयपुर में यांत्रिक , रासायनिक और सिविल निर्माण सामग्री परीक्षण अनुभागों में निम्नलिखित परीक्षण मशीन और विश्लेषणात्मक उपकरणों से सुसज्जित आधुनिक परीक्षण प्रयोगशाला है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम अपने कच्चे माल और तैयार उत्पादों का परीक्षण करवा सकते हैं। छोटी इकाइयों से सामान खरीदने वाले सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के उपक्रम भी इन सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं। एमएसएमई -परीक्षण स्टेशन जयपुर की वेबसाइट हैhttp://www.msmedijaipur.gov.in/workshoptesting.html

9. आत्मनिर्भर भारत के पांच स्तंभों के तहत आत्मनिर्भर भारत आंदोलन

मेवात जिले में एमएसएमई क्षेत्र के लिए प्रमुख मुद्दों, पहचान की गई चुनौतियों और उपलब्ध अवसरों के आधार पर और पांच स्तंभों - अर्थव्यवस्था, बुनियादी ढांचा, प्रणाली, जीवंत जनसांख्यिकी और मांग को ध्यान में रखते हुए एक SWOT विश्लेषण इस प्रकार है:

शक्ति:

अर्थव्यवस्था और कारोबारी माहौल

- एमएसएमई के लिए विशेष प्रोत्साहन
- एस्पिरेशनल के तहत केंद्रित दृष्टिकोण जिला कार्यक्रम।

उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र

- स्टार्ट-अप के लिए प्रोत्साहन।
- नई हरियाणा उद्यम और रोजगार नीति 2020 के तहत प्रोत्साहन।

जीवंत जनसांख्यिकी और कौशल विकास

- मेवात इंजीनियरिंग कॉलेज आदि जैसे संस्थानों की उपलब्धता।
- तकनीकी शिक्षा के साथ शिक्षित जनशक्ति।
- अकुशल और अर्धकुशल जनशक्ति की आसान उपलब्धता।

मांग और स्थानीय लाभ

• एनसीआर और अन्य प्रमुख शहरों जैसे गुरुग्राम और फ्रीडाबाद से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है।

कमजोरियां:

a) कम उत्पादकता

- मशीनीकरण, प्रौद्योगिकी अपनाने पर फोकस की कमी।
- एक मजबूत एमएसएमई पारिस्थितिकी तंत्र और उद्यमशीलता का अभाव

b) अर्थव्यवस्था और नीति की कमी

- उद्यमों को प्रदान की जाने वाली नीतियों और प्रोत्साहनों /सब्सिडी पर ज्ञान /जागरूकता का अभाव।

c) इंफ्रास्ट्रक्चर बाधाएं

- उचित सड़कों, सीवरेज और बिजली की कमी।
- स्थानिक रूप से एम्बेडेड क्लस्टर विकास और प्रबंधन का अभाव

d) वित्त पहुंच

- अपर्याप्त संस्थागत ऋण प्रवाह असमान ऋण देने के लिए अग्रणी।

e) मांग और बाजार पहुंच

- बाजार की जानकारी का अभाव और स्थानीय बाजारों तक सीमित और विभिन्न बाजारों के संपर्क में कमी।

f) प्रौद्योगिकी पहुंच

- सीमित तकनीकी प्रगति और उन्नयन।

g) परिक्षण

- उचित सामग्री परीक्षण और प्रमाणन केंद्रों का अभाव

अवसर

- दिल्ली, गुरुग्राम और फरीदाबाद जैसे पहले से ही स्थापित औद्योगिक और खपत केंद्रों के राज्य में प्रमुख स्थानों की निकटता एमएसएमई क्षेत्र के विकास के लिए महान अवसर प्रदान करती है।
- मजबूत और व्यापक सरकारी योजनाएं : केंद्र और राज्य सरकार ने एमएसएमई के लिए कई योजनाओं को अधिसूचित किया है। जागरूकता पैदा करने और इन योजनाओं के लाभों को शिक्षित करने से अधिक उद्यमी आकर्षित होंगे।
- एमएसएमई को ऋण तक पहुंच प्रदान करने के लिए अधिक वित्तीय संस्थान और ऋणदाता।
- डिजिटल स्पेस के जरिए मार्केटिंग प्लेटफॉर्म बनाएं।

कमजोरियां:

- पड़ोसी राज्यों में समान एमएसएमई से उच्च स्तर की प्रतिस्पर्धा
- कारोबारी माहौल में तेजी से बदलाव।
- प्रमुख खपत/मांग ड्राइवर का अभाव।
- वित्तीय सहायता तक पहुँचने के लिए जटिल दस्तावेज़ीकरण प्रक्रियाएँ संभावित उद्यमियों को दूर ले जाती हैं।

10. जिला औद्योगिक विकास योजना

एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट के रूप में चैंपियन ऑफ चेंज

एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट्स प्रोग्राम के परिवर्तन का उद्देश्य 28 राज्यों में पहचाने गए 117 जिलों को पारदर्शी तरीके से तेजी से बदलना है। कार्यक्रम के केंद्र में हैं - अभिसरण (केंद्रीय और राज्य योजनाओं का), सहयोग (केंद्रीय और राज्य स्तर के 'प्रभारी' अधिकारियों और जिला कलेक्टरों का), और जिलों के बीच प्रतिस्पर्धा। मुख्य रूप से राज्यों द्वारा संचालित और राज्यों के लिए स्थापित , यह पहल प्रत्येक जिले की ताकत पर ध्यान केंद्रित करती है , और प्रगति को मापने और चयनित जिलों की रैंकिंग करते समय तत्काल सुधार के लिए प्राप्य परिणामों की पहचान करती है।

जिला योजना का निर्माण

नीति आयोग ने जिला योजनाओं के निर्माण के लिए एक व्यापक खाका तैयार किया है। चूंकि विभिन्न जिलों में अलग -अलग अवसर और चुनौतियां हैं , इसलिए जिलों को सलाह दी गई है कि वे टेम्पलेट को अनुकूलित करें। उन्हें विशेष रूप से कम लटके फलों /अवसरों की पहचान करने और उन्हें साकार करने की रणनीति बनाने की सलाह दी गई है। इसके अलावा, संबंधित मंत्रालयों से प्राप्त इनपुट से संकलित प्रत्येक संकेतक में सुधार के लिए उठाए जाने वाले कदमों से युक्त एक प्राइमर भी जिला प्रशासन को प्रदान किया गया है।

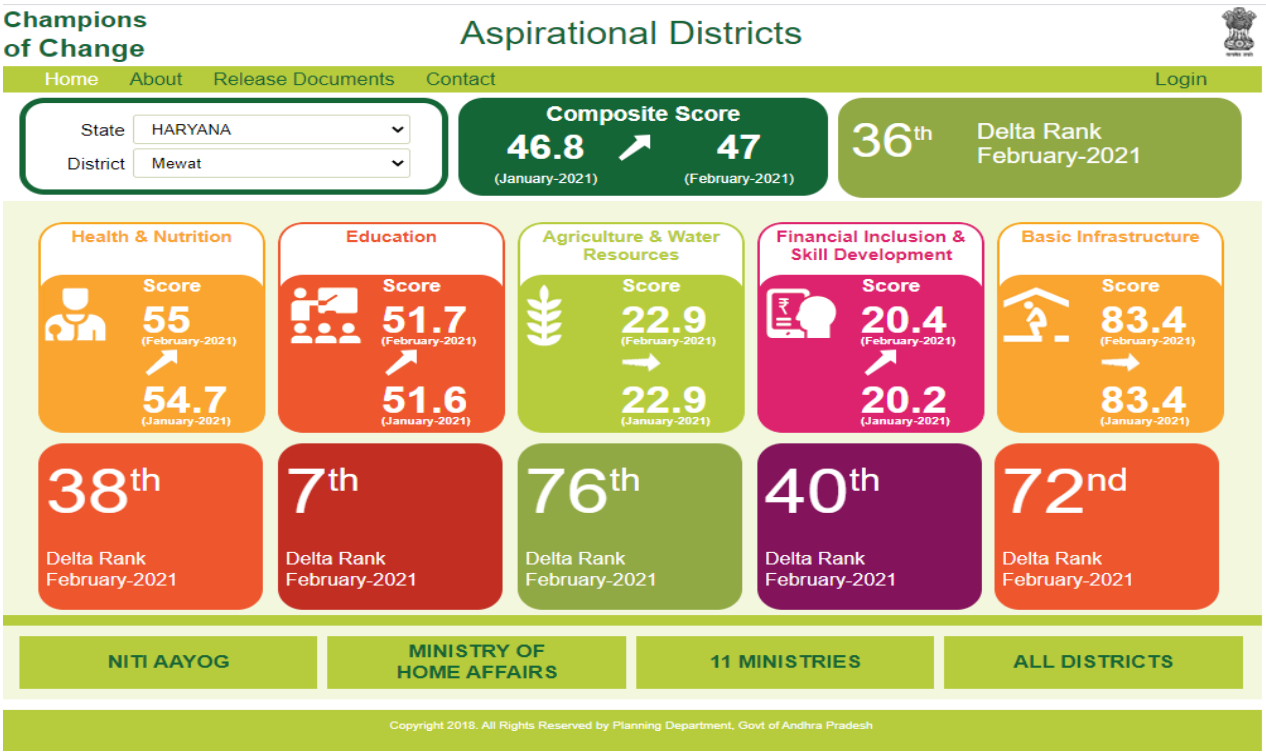

नीति आयोग द्वारा डिजाइन किए गए विभिन्न विकास मापदंडों की जिला मेवात की स्थिति दिखाने वाली तस्वीर

स्रोत: नीति आयोग की वेबसाइट

विभिन्न योजनाओं के तहत जिला विकास योजना के बारे में जानकारी (संक्षिप्त लेख):

क्र.सं. नहीं।	विकास गतिविधि	अनुदान			टिप्पणियां
		सरकार। भारत की	राज्य सरकार।	एसपीवी आदि जैसे अन्य।	
1.	वेबिनार/शारीरिक कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं के लिए IMC				नूंह जिले के कॉलेज/तकनीकी छात्रों में उद्यमिता को आत्मसात करना।
2.	उद्यम पंजीकरण के बारे में जागरूकता वेबिनार/भौतिक शिविर के माध्यम से।				नूंह जिले में उद्यम पंजीकरण के लिए एमएसएमई को संभालने के लिए।
3.	एमएसएमई मंत्रालय की योजनाओं और कार्यक्रमों यानी पीएमईजीपी, जीईएम, पीपीपी, विलंब भुगतान, टीआरईडी, सीएलसीएस-टीयूएस, स्फूर्ति पर जागरूकता। वेबिनार/भौतिक कार्यक्रम के माध्यम से				नूंह जिले में केंद्रीय और राज्य सरकार की योजनाओं और कार्यक्रमों के लिए एमएसएमई को संवेदनशील बनाना और संभालना।

पीएमईजीपी योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं के बारे में विवरण:

साल	बैंक द्वारा स्वीकृत परियोजना		मार्जिन मनी का दावा किया गया	
	परियोजना की संख्या	शामिल मार्जिन मनी (लाख रुपये में)	परियोजना की संख्या	शामिल मार्जिन मनी (लाख रुपये में)
2020-21	44	115.95	37	82.3
2019-20	32	53.89	29	43.05
2018-19	35	60.6	52	100.3
2017-18	69	138.72	52	102.98
2016-17	42	73.7	31	54.67

स्रोत: https://www.kviconline.gov.in/pmegpeportal/pmegpmr/reportHomePage.jsp

औद्योगिक गतिविधियों की सिफारिश की:

क्र.सं.	एमएसएमई गतिविधि का नाम	जिले में चिन्हित स्थान	उद्योग का आकार और समूह	योजना जिसमें इसे सिंक्रनाइज़ किया जा सकता है
1.	ऑटो पार्ट्स उद्योग	रोज़ का मेव	लगभग। 15 इकाइयां	एमएसई-सीडीपी के तहत औद्योगिक विकास योजना -रेस्को/कैपेक्स सोलर रूफटॉप कार्यान्वयन -अनुत्पादक निर्माण ESDP के तहत -IMC घटक
2.	खनिज आधारित उद्योग (स्टोन क्रशिंग और संबद्ध)	पूरे जिले में बिखरा हुआ है	लगभग। 100 इकाइयां	-क्रेडिट लिंक्ड कैपिटल सब्सिडी स्कीम - सरकार की ब्याज सब्सिडी योजना। हरियाणा की -सरकार की विद्युत शुल्क छूट योजना। हरियाणा की
3.	पॉलिमर और रसायन आधारित उद्योग	पूरे जिले में बिखरा हुआ है	लगभग। 50 इकाइयां	-अनुत्पादक निर्माण -जेडईडी योजना - हरियाणा ग्रामीण उद्योग विकास योजना -सरकार की विद्युत शुल्क छूट योजना। हरियाणा की - ईएसडीपी के तहत आईएमसी घटक
4.	कृषि आधारित और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग	मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में बिखरे हुए	लगभग। 50 इकाइयां	-"सरकार की व्यक्तिगत कृषि और खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों का निर्माण / विस्तार / विविधीकरण" योजना। हरियाणा की। - हरियाणा ग्रामीण उद्योग विकास योजना। -सरकार की बिजली टैरिफ सब्सिडी योजना। हरियाणा की - ईएसडीपी के तहत आईएमसी घटक

11. किससे संपर्क करें और किसके लिए

उद्यमियों को सहायता प्रदान करने वाली विभिन्न एजेंसियों का संक्षिप्त विवरण निम्नलिखित है।

क्र.सं.	सहायता का प्रकार	एजेंसियों का नाम और पता	संपर्क नंबर और ईमेल आईडी
1.	राज्य सरकार की नीतियां और योजनाएं	जिला उद्योग केंद्र , हुडा फील्ड हॉस्टल , रोज-का-मेव, मेवात	0124-2334254ad-grg.msme@hry.gov.in
2.	प्रोजेक्ट प्रोफाइल , तकनीकी-आर्थिक और प्रबंधकीय परामर्श सेवाएं , बाजार सर्वेक्षण और आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट की पहचान।	एमएसएमई-डीआई करनाल 11-ए, औद्योगिक विकास कॉलोनी, आईटीआई के पास, कुंजपुरा रोड, करनाल	टेलीफोन: 0184-2208100, 2208110PA निदेशक को : 0184-2208113 टेलीफैक्स: 0184-2208114ई-मेल: dcdi-karnal@dcmsme.gov.in
3.	भूमि और औद्योगिक शेड	HSIIDC इंडस्ट्रियल एस्टेट , फेज V, वाणिज्य निकुंज , उद्योग विहार, गुड़गांव।	+91-124-2346764 estate[dot]gurugram[at]hsiidc[dot]org[dot]in
4.	वित्तीय सहायता	अग्रणी बैंक अधिकारी सी/ओ सिंडिकेट बैंक, अग्रणी जिला कार्यालय , 88, प्रथम तल, नई अनाज मंडी , नूंह-मेवात-122107	01267-271013 ldomewat@gmail.com
5.	सरकार के तहत कच्चे माल के लिए। आपूर्ति	एनएसआईसी भवन, ओखला इंडस्ट्रियल एस्टेट, नई दिल्ली - 110020, भारत	फोन: +91-11-26926275, 26926370
6.	किराया/खरीद के आधार पर संयंत्र और मशीनरी।	एनएसआईसी भवन, ओखला इंडस्ट्रियल एस्टेट, नई दिल्ली - 110020, भारत	फोन: +91-11-26926275, 26926370
7.	बिजली / बिजली	विद्युत मंडल, नूंह, मेवात	टोल फ्री : 1800-180-4334ई-मेल : 1912@dhbvn.org.in , व्हाट्सएप : 8813999708
8.	तकनीकी तरीका।	एमएसएमई-डीआई, 11-ए, औद्योगिक विकास कालोनी ,	टेलीफोन: 0184-2208100,

		आईटीआई के पास , कुंजपुरा रोड, करनाल	2208110PA निदेशक को : 0184-2208113 टेलीफैक्स: 0184-2208114ई-मेल: dcdi-karnal@dcmsme.gov.in
9.	गुणवत्ता मानक	बीआईएस, उत्तरी क्षेत्रीय कार्यालय, प्लॉट नंबर 4-ए, सेक्टर 27-बी, मध्य मार्ग , चंडीगढ़ - 160 019।	0172- 2659930 ddgn@bis.gov.in
10.	विपणन/निर्यात सहायता	महानिदेशक विदेश व्यापार (DGFT), L-482, मॉडल टाउन, पानीपत (HR)	1800-111-550 JAI[dot]PAL84[at]NIC[dot]IN
11	अन्य प्रचार एजेंसियां	केवीआईसी अंबाला, केवीआईबी मेवात	0171-2630334 kvicamb@rediffmail.com

12. निष्कर्ष और आगे का रास्ता

जिला मेवात NITI AAYOG द्वारा चिन्हित आकांक्षी जिलों में से एक है। राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली से इसकी निकटता प्रमुख ताकतों में से एक है। अकुशल और अर्धकुशल श्रम की उपलब्धता एमएसएमई क्षेत्र के लिए अन्य अवसर है। जिला मेवात में एमएसएमई के विकास की काफी संभावनाएं हैं। क्षेत्र के लिए भारत सरकार और हरियाणा सरकार की विभिन्न योजनाएं और प्रोत्साहन संभावित उद्यमियों के लिए प्रेरक कारक हैं।

हरियाणा के अन्य हिस्सों की तुलना में एमएसएमई का संकेंद्रण बहुत कम है। जिला राज्य में ऐसे क्षेत्रों में बिजली , पानी, सड़क आदि सहित बुनियादी ढांचा खराब और अविश्वसनीय है , जिससे लेनदेन की लागत बहुत अधिक है। क्षेत्र में एमएसएमई के विकास के लिए पर्याप्त बिजली आपूर्ति के साथ उद्योग के लिए महत्वपूर्ण संसाधन के पास सस्ती भूमि की आवश्यकता है। एमएसएमई के विस्तार /विस्तार के लिए पर्याप्त भूमि उपलब्ध नहीं है। जिले में राज्य सरकार द्वारा केवल एक औद्योगिक एस्टेट विकसित किया गया है।

आसपास के राज्यों /जिलों के स्थापित उद्यमियों को चयनित ग्रामीण /उप-शहरी क्षेत्र में आकर्षित किया जा सकता है ताकि उस क्षेत्र को सभी पहलुओं में आत्मनिर्भर बनाया जा सके। इंफ्रास्ट्रक्चर , टेक्नोलॉजी एडॉप्शन, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के लिए विशेष प्रोत्साहन और नीतियों की घोषणा करने की तत्काल आवश्यकता है। पीएमईजीपी , सीएलसीएसएस, सीजीटी-एमएसई आदि जैसी योजना के तहत अतिरिक्त प्रोत्साहन प्रदान किया जा सकता है। साथ ही यदि इस क्षेत्र में अधिक संस्थान मुख्य रूप से तकनीकी, डिजाइन, प्रबंधन स्थापित किए जाते हैं तो यह जिले में कौशल और उद्यमिता को बढ़ाएगा जो औद्योगीकरण के लिए बहुत आवश्यक है।

13. संसाधन

i. जिले में उद्योग संघों की सूची:

एस। नहीं।	संघ का नाम और पता	अध्यक्ष/महासचिव का नाम	संपर्क नंबर / फैक्स	ईमेल आईडी
1.	मेवात चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज मैसर्स हाईलाइन ऑटो इंडस्ट्रीज, प्लॉट नंबर 34-44, रोज़-का मेव, औद्योगिक क्षेत्र, मेवात	श्री। रणवीर सिंह खटाना, अध्यक्ष श्री रतन पाल खटाना, महासचिव	9811148101 9811148104 9215692709	hylineauto@gmail.com mewatchamber@gmail.com khatanarp@gmail.com

स्रोतः जिला एमएसएमई केंद्र, मेवात

ii. जिले में बड़े/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की सूची:

क्र.सं. नहीं।	यूनिट का नाम और पता (मैसर्स)	निर्मित वस्तु/सेवा	निवेश (लाख रुपये में)	रोजगार (संख्या में)
1.	ओके प्ले इंडिया लिमिटेड, रोज़ का मेव, नूंह	उत्पादन	9373	339
2.	ब्राइट ब्रदर्स लिमिटेड, रोज़ का मेव, नूंह	उत्पादन	20000	120
3.	वरुण बेवरेजेज लिमिटेड, ग्रामीण। तेजपुर। नूह	उत्पादन	14741	439
4.	कैन पैक इंडिया लिमिटेड, ग्रामीण। जयसिंहपुर, नूंह	उत्पादन	45000	150

स्रोतः जिला एमएसएमई केंद्र, मेवात

iii. जिले में एमएसएमई के लिए कार्यरत एनजीओ की सूची जिन्होंने नीति आयोग के एनजीओ दर्पण पोर्टल के तहत पंजीकरण कराया है:

क्रमांक।	वीओ/एनजीओ का नाम	पंजीकरण संख्या, शहर और राज्य	पता
1	मेवात शैक्षिक संगठन	2722, पुन्हाना, हरियाणा	यूटोपियन सीनियर सेकेंड। स्कूल पुन्हाना बिसरू रोड पुन्हाना जिला। मेवात नूंह राज्य हरियाणा
2	मेवात अहलेहदीस एजुकेशन एंड वेलफेयर	0051, पुन्हाना, हरियाणा	मदरसा सौतुल क़ुरान मुहम्मदिया क़स्बा पिनांगवान बरकली रोड पेट्रोल पंप के पास पिनांगवान तहसील पुनाहन मेवात हरियाणा

	सोसाइटी मीसा कॉलोनी पिनांगवान		122508
3	हमदर्द एजुकेशन सोसाइटी रंगला राजपुर	डॉ/एमडब्ल्यूटी/0055, फिरोजपुर झिरका, हरियाणा	ग्राम रंगला राजपुर, पीओ और तहसील फिरोजपुर झिरका
4	मोहम्मद शमसुदीन एजुकेशनल एंड सोशल सोसाइटी	00092, टूरू, हरियाणा	वीपीओ तोरु तहसील तोरू जिला नूंह (मेवात)
5	मानव विकास सोसायटी	0045, फिरोजपुर झिरका, हरियाणा	ग्राम कलाखेरा, पी.ओसक्रास तहसील फिरोजपुर झिरका, जिला मेवात (नूह) पिन कोड -122107 ईमेल - Tpmewat@Gmail.Com
6	मोलाना दिन मोहम्मद मेमोरियल एजुकेशन एंड वेलफेयर ट्रस्ट	4381, नूंह, हरियाणा	ग्राम बाई, डाकघर और तहसील नूंह, जिला नूंह मेवात, हरियाणा -122107
7	सक्षम फाउंडेशन	1553, फिरोजपुर झिरका, हरियाणा	गांव बैखेरा, पो मांडीखेरा, तहसील- फिरोजपुर झिरका, जिला- मेवात, हरियाणा-122108
8	आगाज महिला समूह संगठन	Hr654201601038, तोरु, हरियाणा	बी.डी
9	ऑल इंडिया दीनी मदारिस जदीद टेक्नोलॉजी ट्रस्ट	3311, नूंह, हरियाणा	ग्राम बाई, डाकघर और तहसील नूंह, जिला नूंह, मेवात, हरियाणा
10	एसडी एजुकेशनल फाउंडेशन	01028, तौरू, हरियाणा	वीपीओ- टौरू, तहसील- टौरू, जिला। नूह

14. सूचना/डेटा के संदर्भ और स्रोत:

1) जिला प्रशासन मेवात (नूह)
www.nuh.gov.in

2) हरियाणा राज्य औद्योगिक विकास निगम, हरियाणा
https://hsiidc.org.in

3) जिला एमएसएमई केंद्र, मेवात

4) नीति आयोग की वेबसाइट

5) हरियाणा खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, जिला कार्यालय-मेवात

6) उद्यम पंजीकरण वेबसाइट
https://udyamregistration.gov.in/

7) कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा

8) पशुपालन और डेयरी विभाग, हरियाणा

9) राज्य स्तरीय बैंकर समिति (हरियाणा),

10) स्कूल शिक्षा निदेशालय प्लॉट नंबर 1/बी, शिक्षा सदन, सेक्टर-5, पंचकुला-134109 (भारत)

11) कार्यालय निदेशक उच्च शिक्षा हरियाणा का पता: शिक्षा सदन, भूतल और पहली मंजिल, सेक्टर - 5, पंचकुला, हरियाणा (134105)

12) महानिदेशक, एसडीआईटी, दूसरी मंजिल, प्लॉट नंबर - 2, सेक्टर -3, पंचकुला

13) तकनीकी शिक्षा निदेशालय, हरियाणा बे नंबर: 7-12, सेक्टर -4, पंचकुला, हरियाणा

14) लोक निर्माण विभाग (भवन और सड़कें), हरियाणा सरकार

15) पीएमईजीपी वेब-पोर्टल
https://www.kviconline.gov.in/pmegpeportal/pmegpmr/reportHomePage.jsp